

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(ग्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 20 जून, 1981/30 ज्येष्ठ, 1903

हिमाचल प्रदेश सरकार

श्रम विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला, 2 जून, 1981

संख्या 2-94/69-एस. ग्राई.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रपिक्षत ह कि इंडियन ग्रायल कारपोरेशन के उद्योग जो पैट्रोलियम पदार्थों के बनाने, लाने, लेजाने तथा वितरण के कार्यरत हैं की सेवाग्रों को ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का ग्रिधिनियम सं0 14) की प्रथम श्रनुसूची के ग्रन्तर्गत ग्राती है, को उक्त ग्रिधिनियम के प्रयोजन हेतु जन उपयोगी सेवा घोषित

ग्रौर यतः उक्त सेवाएं ग्रिधिसूचना सम संख्यक दिनांक 8-12-80 द्वारा 20-5-81 तक जन उपयोगी सेवा घोषित की गई थी।

975-राजप**त्र-**20**-**6-81—1022.

की जानी चाहिये।

(495)

मूल्ब: 20 पैसे ।

ग्रौर यत: राज्यपाल हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में अपेक्षित है कि उक्त सवाग्रों का जन उपयोगी घोषित काम जो 20-5-81 तक है को ग्रगले छः महीनों के लिये बढ़ाया जाए।

ग्रतः श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का श्रिधिनियम सं 0 14) की धारा-2 के खण्ड (एन) के उपखण्ड (6) के सन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल एतदद्वारा हिमाचल प्रदेश में पैट्रोलियम पदार्थों के बनाने, लाने, ले जाने तथा वितरण के कार्य में लगे उक्त उद्योग को उक्त सेवाश्रों का जन उपयोगी सेवा घोषित काल उक्त श्रिधिनियम के प्रयोजन हेतु 6 मास यानि 21-5-81 से 20-11-81 तक की श्रविध के लिये बढ़ाते हैं।

त्रादेश से, कं0 शमशेर **धि**ह, सचिव ।